SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

श्रीराम सीड्स प्रा॰ लि॰

272, नई धान मंडी, श्रीगंगानगर - 335001(राज.)

मूँग की फसल उत्पादन हेतु आवश्यक सुझाव

किस्में

रिसर्च बीज : VIJETA (SRPM-26), VIJETA-GOLD

प्रमाणित बीज : SML-668, MH-1142, MH-421, IPM-2-3

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

उपयुक्त भूमि एवं खेत की तैयारी

मूंग के लिए हल्की से मध्यम दोमट मिट्टी (पी. एच. मान 6.5 से 7.0) सबसे अच्छी रहती है। खेत में पानी का जमाव नहीं होना चाहिए, क्योंकि अधिक नमी से पौधे कमजोर हो जाते हैं। बुवाई से पहले खेत को अच्छी तरह जोतकर भुरभुरा बना लें, ताकि बीज का अंकुरण समान रूप से हो।

बीज मात्रा एवं बुवाई का समय

जायद (फ़रवरी - अप्रैल) के लिए 12-16 किलो बीज प्रति एकड़ में प्रयोग करें।

खरीफ (जून-जुलाई) के मौसम के लिए 6-8 किलो बीज प्रति एकड़ में प्रयोग करें ।

जायद (ग्रीष्मकालीन) में 15 फरवरी से 15 अप्रेल

खरीफ में जून से जुलाई (अगेती बिजाई में उत्पादन अधिक आता है)

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

बीज उपचार

यह बीज उपचारित होता है, फंगसनाशी व राइजोबियम कल्चर से बीज उपचार करने पर जड़ों में गांठें बनती हैं, जिससे मिट्टी में नाइट्रोजन बढ़ती है और फसल की बढ़वार अच्छी होती है।

SHRIRAM SEEDS PRIVATE LIMITED

खाद एवं पोषण प्रबंधन

मूंग की फसल को अधिक खाद की आवश्यकता नहीं होती, फिर भी संतुलित पोषण जरूरी है। गोबर की सड़ी खाद मिट्टी की ताकत बढ़ाती है। थोड़ी मात्रा में नाइट्रोजन और फास्फोरस देने से फूल और फलियाँ अधिक बनती हैं। जिंक की कमी होने पर पत्तियाँ पीली पड़ सकती हैं, इसलिए आवश्यकता अनुसार जिंक का प्रयोग करें।

सिंचाई प्रबंधन

मूंग कम पानी की फसल है। ग्रीष्म कालीन: पहली सिंचाई 20 दिन बाद तथा बाद में 2-3 सिंचाई 15 दिन के अन्तराल पर। खरीफः सिंचाईयाँ वर्षा की उपलब्धता के आधार पर करें। ध्यान रखें कि खेत में पानी खड़ा न रहे, क्योंकि इससे जड़ गलन और रोग बढ़ जाते हैं।

SHRIRAM SEEDS PRIVATE LIMITED

खरपतवार नियंत्रण

फसल की शुरुआती अवस्था में खरपतवार तेजी से बढ़ते हैं और पौधों का पोषण छीन लेते हैं। 700 एम.एल. पैडीमैथलिन 30 ई.सी. (स्टोम्प) प्रति एकड़ बिजाई के तुरंत बाद। एक निराई-गुड़ाई बिजाई के 25-30 दिन बाद। जिससे पौधे तेजी से बढ़ते हैं, जिससे पैदावार में बढ़ोतरी होती है।

SHRIRAM SEEDS PRIVATE LIMITED

कीट एवं रोग प्रबंधन

बालों वाली सुंडी (कातरा)	1 एम. एल. मोनोक्रोटोफ,स या 2 एम.एल. क्विनलफ,स (एकालक्स) प्रति लीटर पानी की दर से स्प्रे करें।
हरा तेला व सफेद मक्खी	रोगोर (टैफगोर) ।एम. एल. प्रति लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।
पीला मोजैक	रोगोर (टैफगोर) 1 एम.एल. प्रति लीटर पानी की दर से बिजाई के 20-25 दिन बाद स्प्रे करें।
पत्तों का धब्बा रोग, बैक्टीरियल लीफ ब्लाईट	मैंकोजेब (इंडोफिल एम-45) 600 ग्रा. प्रति एकड़, 200 लीटर पानी में मिलाकर स्प्रे करें।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

कटाई एवं उपज

जब खेत में लगभग 80–85% फलियाँ पक जाएँ और उनका रंग हल्का भूरा होने लगे, तब फसल की कटाई कर लेनी चाहिए। देर से कटाई करने पर फलियाँ फट सकती हैं और दाने झड़ जाते हैं। सही समय पर कटाई करने से दाने चमकदार और वजनदार मिलते हैं।

SHRIRAM SEEDS
PRIVATE LIMITED

टिप्पणी

इस पत्रक में दी गई फसल उत्पादन संबंधी सिफारिशें कृषि विश्वविद्यालयों, कृषि विज्ञान केंद्रों, कृषि विशेषज्ञों, प्रगतिशील किसानों एवं सरकारी कृषि विशेषज्ञों के शोध एवं अनुभवों पर आधारित हैं। फसल अथवा किस्म का उत्पादन केवल बीज पर निर्भर नहीं करता, बल्कि भूमि की स्थिति, खाद-उर्वरक, सिंचाई, मौसम एवं अन्य कृषि कारकों पर भी निर्भर करता है। विभिन्न प्रदेशों एवं क्षेत्रों में परिणाम भिन्न हो सकते हैं। अतः कृषक स्थानीय परिस्थितियों के अनुसार संबंधित कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों अथवा कृषि विशेषज्ञों की सलाह एवं स्वयं के अनुभव के आधार पर ही खेती संबंधी निर्णय लें।